नन्हे बच्चे बाधा झील में बोतलों से पानी डाल करेंगे बड़ों को झील बचाने के लिये जागरूक

- **फाजिल्का के कार्यक्रम की यूनाइटेड नेशन में प्रस्तुत होगी रिपोर्ट**
- **170 देशों के बीच फाजिल्का में भी होगा 'सुरक्षित जलवायु कार्य योजना अंतर्राष्ट्रीय दिवस' अभियान**

पवन जुलाहा

फाजिल्का, 21 अक्तूबर: कभी इस सरहदी शहर की शान कही जाने वाली बाधा झील आज अपना अस्तित्व बचाने के लिये जूझ रही है। कुछ सालों पहले जहां इस झील में कल-कल करता पानी बहता था और लोग यहां पर खुद को तरोताजा करने के लिये घूमने आते थे। वहां आज ठंडे व हरेक इंसान के दिल को सुकून देने वाले पानी की जगह पर खेती की जा रही है और इस बाधा झील का अस्तित्व खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रकृति व इस झील को बचाने के प्रति अपने कर्तव्य को भूल चुके इस शहर के बाशिंदों के बीच इस झील को बचाने के लिये पहल करते हुए तथा इसे चंडीगढ़ की सुखना झील की तरह रूप देने के लिये ग्रेजुएट वेलफेयर एसोसिएशन ने 'बाधा झील बचाओ' अभियान की शुरूआत कर दी है। एसोसिएशन द्वारा इंडियन यूथ क्लाइमेट नेटवर्क व 350 आर्गेनाइजेशन के सहयोग से शुरू किए गए इस अभियान के तहत 24 अक्तूबर, शनिवार को शहर के विभिन्न स्कूलों के 350 से अधिक छात्र छात्राएं अपने घरों से पीने के लिये लेकर आने वाली पानी की बोतलों का पानी सूख चुकी बाधा झील वाले स्थान पर डालेंगे और शहर वासियों को भी इस झील को बचाने का आह्वान करेंगे। इन बोतलों के पानी से झील भरेगी नहीं लेकिन यह एक प्रेरणा है जो नन्हें बच्चों द्वारा शहर वासियों को दी जा रही है।

इस एसोसिएशन से जुड़े आई.आई.टी रूड़की के प्रोफेसर भूपेन्द्र सिंह का कहना है कि इस झील की बदौलत ही फाजिल्का व इसके समीप के क्षेत्र में भूमि के चार फुट नीचे पानी आसानी से मिल जाता था लेकिन झील के सूख जाने से अब भूजल लगातार गिर रहा है। उन्होंने बताया कि इसी बाधा झील के सौंदर्य व पर्यावरण को देख तथा प्रभावित होकर ही 1894 में अंग्रेज अधिकारी मिस्टर पाट वन ऐगन्यू ने झील के किनारे (अब एस.डी.एम कार्यालय कम निवास स्थान) पर अपना 'बंगला' बनाया था। मियां फजल वट्टू ने भी यहां के वातावरण से प्रभावित होकर फाजिल्का शहर बसाया था। उन्होंने बताया कि शू लेक के नाम से जानी जाने वाली यह बाधा झील संबंधित अधिकारियों के लापरवाही पूर्ण रवैये व कुछ लोगों के स्वार्थों के कारण अपने अस्तित्व को कायम रखने के लिये जूझ रही है।

फाजिल्का की शान कही जाने वाली बाधा झील को बचाने के लिये विशेष रूप से प्रयासरत व एसो. से जुड़े इंजीनियर नवदीप असीजा ने बताया कि 24 अक्तूबर को पूरे विश्व में मनाए जा रहे 'सुरक्षित जलवायु कार्य योजना अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के तहत विभिन्न स्कूल के विद्यार्थी अपने घरों से स्कूलों में पीने के लिये बोतलों में भर कर लेकर आने वाला पानी बाधा झील वाली स्थान पर दोपहर 12 बजे डालेंगे। उन्होंने बताया कि इस दिन विश्व स्तर पर पर्यावरण को बचाने के लिये पूरे 170 देशों में किए जा रहे अभियान के तहत ही यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। श्री असीजा ने बताया कि एसो. का एकमात्र उद्देश्य इस बाधा झील को बचाना है। उन्होंने बताया कि पूरे पंजाब में वातावरण को बचाने के लिये सिर्फ फाजिल्का में ही यह कार्यक्रम किया जा रहा है। श्री असीजा ने बताया कि 24 अक्तूबर को होने वाले इस कार्यक्रम की रिपोर्ट यूनाइटेड नेशन में पेश की जायेगी और पूरे विश्व में इस झील को बचाने के लिये प्रयास शुरू हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि इस बाधा झील को बचाने के साथ साथ इस झील को चंडीगढ़ की सुखना झील का रूप देना शामिल है। इसके लिये एसोसिएशन अपना कार्य भी कर रही है लेकिन इस सब में आम लोगों का सहयोग जरूरी है।

कुछ ऐसी होगी 'फाजिल्का की सुखना झील'

फाजिल्का: वर्तमान में अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिये संघर्ष कर रही बाधा झील को बचाने के साथ साथ इस झील को चंडीगढ़ की सुखना झील की तरह का रूप देने के लिये भी ग्रेजुएट वेलफेयर एसोसिएशन ने पूरी योजना तैयार कर ली है।

- पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित की जायेगी झील।
- झील के माध्यम से शहर में भूजल के स्तर को ऊंचा करना उद्देश्य।
- झील पर होगा ओपन एयर थियेटर। मंच की एक साइड पर प्रस्तुत किये जायेंगे नाटक।
- अढ़ाई किलोमीटर लंबा बनेगा वाकिंग ट्रैक।
- यहां पर आने वाले पर्यटक झील में ले सकेंगे बोटिंग का मजा।
- पंजाब का परंपरागत खाना: मक्की की रोटी, सरसों का साग व लस्सी होगी उपलब्ध।
- खाने पीने के लिये स्थापित की जायेगी कैंटीन।

तो कैसी लगी फाजिल्का की सुखना झील। लेकिन यह योजनाएं तभी वास्तविकता का रूप ले सकेंगी जब हम और आप एकजुट होकर करेंगे इस झील को बचाने का प्रयास।

माउस क्लिक कर बाधा झील को बचाने में डालें योगदान

फाजिल्का: 'बाधा झील-हमारी पहचान-हमारा स्वाभिमान' के नारे से शुरू किए इस अभियान के तहत इंजीनियर असीजा ने बताया कि बाधा झील को बचाने के लिये एसोसिएशन ने आन लाइन शिकायत अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि बाधा झील को बचाने के लिये बनाई गई वेबसाइट www.lovefazilka.esmartweb.com, www.fazilkaonline.com पर जाकर वहां पर बने एक शिकायत फार्मेट को अपने नाम, पता, मोबइल नंबर व ईमेल के साथ भर कर भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस फार्मेट को भरने के बाद झील को बचाने के लिये शिकायत माननीय पंजाब एंड हरियाणा न्यायालय के चीफ जस्टिस, मुख्यमंत्री पंजाब, विजिलेंस विभाग व केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय के पास पहुंच जायेगी। उन्होंने बताया कि फाजिल्का से इस तरह की 350 आन लाइन शिकायतें भेजने का लक्ष्य रखा गया है जिसके तहत अब तक 60 शिकायतें भेजी जा चुकी हैं। श्री असीजा ने बताया कि अब तक भेजी गई कुल शिकायतों में कई शिकायतें अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा व अन्य विदेशों में रहते फाजिल्का के मूल वासियों द्वारा भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस शिकायत को भेजने का कोई खर्च नहीं है, सिर्फ आपके पास इंटरनेट की सुविधा होना जरूरी है। अगर आप फाजिल्का व इस बाधा झील से प्यार करते हैं तो आप किसी भी निकटतम इंटरनेट कैफे पर जाकर इस शिकायत को भेज सकते हैं।

अगर आपको है फाजिल्का से प्यार तो जरूर पहुंचे बाधा झील

फाजिल्का: शहर के पर्यावरण को शुद्ध रखने, भूजल के स्तर को गिरने से बचाने व बाधा झील की आभा लौटाने के लिये 24 अक्तूबर को 'बाधा झील बचाओ' अभियान के तहत बच्चों के अलावा शहर का कोई भी नागरिक जाकर सूख रही बाधा झील में पानी डाल सकता है। इस कार्यक्रम में किसी को भी विशेष रूप से आमंत्रित नहीं किया गया है। इस कार्यक्रम में हर शख्स गैस्ट व चीफ गैस्ट होगा जो बाधा झील को बचाने के लिये अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकाल कर पहुंचेगा।